Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 10-05-2005

Participants : Yadav Shri Ram Kripal

Title: Increasing incidents of suicides in Delhi.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक गम्भीर समस्या की ओर आकर्ति करते हुए बताना चाहता हूं कि देश के 32 बड़े शहरों का मुआयना किया गया। इसमें चिन्ता का विाय यह है कि देश की राजधानी दिल्ली, जो सत्ता का केन्द्र है और जहां से पूरे देश का शासन चलता है, वहां इस र्वा अब तक सुसाइड के 200 प्रकरण हो चुके हैं। यह बहुत चिन्ता का विाय है कि इनमें अधिकतर मामले ऐसे हैं, जिनमें 14 से 29 र्वा के लड़कों ने सुसाइड किया। जिन्होंने सुसाइड किया, वे लड़के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के थे।

लगभग चार सूसाइड प्रतिदिन हो रहे हैं, यह बहुत चिन्ता का विाय है। मैं समझता हूं कि यह विाय हम सब लोगों के लिए ि वचारणीय है कि आखिर क्यों ये लड़के सूसाइड कर रहे हैं, इसका क्या कारण है, इसकी तह में जाना पड़ेगा। उनकी जान की रक्षा के लिए कोई ठोस उपाय करना पड़ेगा, गवर्नमेंट को इस पर विचार करना पड़ेगा, कहीं देश की राजधानी खुदकुशी का शहर न बन जाए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have raised an important issue.

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार इस पर अविलम्ब कार्यवाही करे। इस पर पुलिस भी नोटिस नहीं लेती है और पुलिस के अलावा (एनसीआरबी), नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो भी कोई नोटिस नहीं लेती है। अगर इस पर सही ढंग से नोटिस नहीं लिया गया तो इसकी दर और भी बढ़ सकती है।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have made it. Please be brief so that other hon. Members can participate.

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, पूरे देश के पैमाने पर प्रतिर्वा 20 प्रतिशत खुदकुशी की दर बढ़ रही है। इसलिए मेरा आपसे निवेदन होगा कि सरकार इस पर अविलम्ब कार्यवाही करे।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमने निवेदन ग्रहण किया।

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, सरकार इसे ग्रहण करे।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: There is nothing more to add to it.

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, इस पर अविलम्ब कार्यवाही कराई जाए।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: No Government can respond immediately.

Shri Chandra Bhushan Singh is not present.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you just co-operate, I can accommodate many hon. Members.

Now, Mr. Karunakaran, be quick.